पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्रयाग कुम्भ–2019 के पूर्व हर हाल में गंगा व यमुना की धारा को निर्मल व अविरल बनाया जाए : मुख्यमंत्री

'नमामि गंगे' परियोजना की सफलता के लिए गंगा की सहायक नदियों की सफाई आवश्यक

मुख्यमंत्री ने नेशनल गंगा बेसिन अथॉरिटी और 'नमामि गंगे' से सम्बन्धित परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली

जल की समुचित उपलब्धता के लिए ग्रामीण इलाकों में तालाबों इत्यादि की खुदाई करवायी जाए

निर्माणाधीन एस0टी0पी0 एवं नई एस0टी0पी0 को प्रस्तावित कर उनसे सम्बन्धित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए

राज्य सरकार उ0प्र0 की सभी नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध

मुख्यमंत्री ने गंगा, यमुना व अन्य नदियों के सम्बन्ध में आयोजित बैठक को सम्बोधित किया

लखनऊ : 11 नवम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रयाग कुम्भ–2019 के पूर्व हर हाल में गंगा, यमुना, हिण्डन व अन्य नदियों की धारा को निर्मल व अविरल बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस सम्बन्ध में चलायी जा रही परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की पूरी सरकारी मशीनरी को इसके लिए युद्ध स्तर पर काम करना होगा। गंगा के प्रवाह का ज्यादातर हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। इसलिए इसकी निर्मलता को एक मिशन के रूप में लेते हुए 'नमामि गंगे' परियोजना की सफलता के लिए गंगा की सहायक नदियों की सफाई पर भी चरणबद्ध तरीके से कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री जी आज यहां शास्त्री भवन में केन्द्रीय मानव संसाधन, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण राज्य मंत्री डॉ0 सत्यपाल सिंह के साथ गंगा, यमुना, हिण्डन व अन्य नदियों के सम्बन्ध में आयोजित एक बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'नमामि गंगे' परियोजना के साथ ही, वर्ष 2019 में प्रयाग में होने वाले कुम्भ को ध्यान में रखकर गंगा की सफाई और संरक्षण पर काम होना चाहिए, जिससे इस मेले के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ, साफ व अविरल गंगा जी के दर्शन हों और स्नान का अवसर मिले। उन्होंने नेशनल गंगा बेसिन अथॉरिटी और नमामि गंगे से सम्बन्धित कुल 28 परियोजनाओं की प्रगति की

जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि एन0जी0आर0बी0ए0 की 11 परियोजनाओं को हर हाल में दिसम्बर, 2018 तक पूरा किया जाए।

योगी जी ने विभिन्न टेनेरियों, गंदे नालों एवं सीवर के माध्यम से गंगा में प्रवाहित होने वाली गंदगी को प्रयाग कुम्भ के पूर्व रोके जाने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माणाधीन एस0टी0पी0 एवं आवश्यकतानुसार नई एस0टी0पी0 को प्रस्तावित कर उनसे सम्बन्धित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि घरों के सीवर कनेक्शन का कार्य भी चरणबद्ध तरीके से शीघ्रता के साथ पूर्ण किया जाए। गंगा जी में गिरने वाले नालों में सफाई के लिए अंतरिम समाधान के तौर पर बायो रेमिडी के प्रबन्ध किए जाएं।

योगी जी ने गंगा, यमुना, हिण्डन व अन्य नदियों की निर्मलता और सफाई को नैतिक, सामाजिक व सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को इस दिशा में तेजी से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में सुधार हुआ है, किन्तु अभी और कार्य सुनिश्चित करने होंगे। उन्होंने कहा कि नदियों में प्रवाहित किए जाने वाले शवों और पशुओं को रोका जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गंगा को प्रदूषणमुक्त बनाए जाने के उद्देश्य से कानपुर तथा कन्नौज में चल रही चमड़ा इकाइयों को चरणबद्ध तरीके से शिफ्ट किए जाने तथा उनके द्वारा किए जा रहे प्रदूषण को रोके जाने के निर्देश देते हुए कहा कि गंगा नदी के किनारे बसे कई जनपदों के नालों, उद्योगों इत्यादि के उत्प्रवाह व कचरे को इसमें गिराए जाने के कारण गंगा का जल प्रदूषित होता है। यह सुनिश्चित करना होगा कि गंगा में प्रदूषित जल न पहुंचे, ताकि इसका जल हर हाल में निर्मल बने। इससे गंगा की धारा स्वच्छ और अविरल होगी।

मुख्यमंत्री जी ने नदियों में पानी की कमी के सम्बन्ध में कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में सिंचाई व जल की समस्या से निपटने के लिए नदियों का पानी अनेक नहरों की ओर डायवर्ट किया जाता है, जिससे नदियों में जल की मात्रा कम हो जाती है। किसानों के हितों को देखते हुए सिंचाई आदि कार्य हेतु नहरों में जल की पर्याप्त उपलब्धता के साथ–साथ शहरों की पेयजल समस्या का समाधान भी जरूरी है। जल समस्या से निपटने तथा जल की समुचित उपलब्धता के लिए ग्रामीण इलाकों में तालाबों इत्यादि की खुदाई करवायी जाए और वर्षा जल संचित किया जाए ताकि गंगा में पानी की कमी न हो। उन्होंने ऐसी परियोजनाएं लागू करने पर बल दिया जो गंदे जल के बहाव को राकें और उसका समुचित निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्राम पंचायतों तथा स्थानीय निकायों से सहयोग लेने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गंगा की निर्मलता के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 'नमामि गंगे' परियोजना के तहत धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। गंगा और उसकी सहायक नदियों को शामिल करते हुए उनकी धारा को प्रदूषण मुक्त किया जाना आवश्यक है। इसके लिए हम सब को चरणबद्ध तरीके से लगातार प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि गंगा को स्वच्छ बनाए रखने

हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में गंगा जी के किनारे स्थित गांवों में शौचालय निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

योगी जी ने कहा कि वर्ष 2018 तक गंगा व यमुना जी को पूर्ण रूप से निर्मल एवं स्वच्छ बनाने का लक्ष्य सरकार द्वारा निर्धारित है, जिसे तेजी से पूरा किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आम जनता, व्यापारिक एवं सामाजिक संगठनों, नौजवानों, किसानों, छात्र–छात्राओं एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों को 'नमामि गंगे' परियोजना से जोड़ा जाना जरूरी है। इसके साथ ही, गंगा व अन्य नदियों के तटों पर वृक्षारोपण अभियान को भी गति देनी होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश की सभी नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। नदियों को बचाना और उनका पुनर्जीवन एक चुनौती है, जिसके लिए अभियान चलाकर कार्य करना होगा, ताकि सबका भविष्य सुरक्षित हो सके। नदियों को बचाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने होंगे और इसमें व्यापक जन सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

इस अवसर पर केन्द्रीय मानव संसाधन, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण राज्य मंत्री डॉ0 सत्यपाल सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा इस दिशा में धनराशि उपलब्ध कराने सहित हर सम्भव सहयोग प्रदान किया जा रहा है। परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लायी जाए, जिससे नदियों के निर्मलीकरण, अविरलता का कार्य शीघ्र पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि एन0जी0आर0बी0ए0 और नमामि गंगे के तहत 28 परियोजनाएं संचालित हैं, जिनकी स्वीकृत धनराशि 4,894 करोड़ रुपए है। इनसे एस0टी0पी0 के माध्यम से 634 एम0एल0डी0 जल को स्वच्छ करने की क्षमता पैदा होगी।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि इलाहाबाद में 04 एस0टी0पी0 का कार्य पूरा किया जा चुका है, जिनकी क्षमता 119 एम0एल0डी0 जल को स्वच्छ करने की है। शेष परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। मेरठ मण्डल के कमिश्नर श्री प्रभात कुमार ने हिण्डन नदी को निर्मल और स्वच्छ किए जाने के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण देते हुए कहा कि जागरूकता, जनसहभागिता और स्वैच्छिक संस्थाओं की मदद से इस नदी को स्वच्छ, निर्मल व पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है।

इस मौके पर एन0एम0सी0जी0 के महानिदेशक श्री यू0पी0 सिंह, केन्द्रीय नदी विकास एवं गंगा संरक्षण राज्य मंत्री के सलाहकार डॉ0 नेपाल सिंह तोमर, मुख्य सचिव श्री राजीव कुमार, उत्तर प्रदेश जल निगम के अध्यक्ष श्री जी0बी0 पटनायक, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री एस0पी0 गोयल, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त डॉ0 अनूप चन्द्र पाण्डेय, प्रमुख सचिव गृह श्री अरविन्द कुमार, प्रमुख सचिव वन एवं पर्यावरण सुश्री रेणुका कुमार, प्रमुख सचिव नगर विकास श्री मनोज कुमार सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

———————————